सोचें हमारा मूल्य क्या है ?

जैसे विभिन्न प्रकार के फुल और फलों से, रह तरह की बेल और लताओं से सुसज्जित उपवन मनमोहक और आकर्षक लगता है. गुलदस्ते की शोभा भी तभी होती है, जब उसमें रंग-बरंगे फुल हों और उनमें सुगंध भी है, जिसका बागवान गुणों का सागर परमात्मा है. उसने सभी में कुछ-न-कुछ गुण और विशेषताओं की खुशबू भरी है. सभी में अलग-अलग कलाऔं के रंग बिखेरे है. हर फुल का अपा महत्व है. और यदि सारे संसार के मानव रुपी पुष्प प्रेम और एकता के सूत्र में बँध जाएँ, सहयोग और सदभावना का हाथ आगे बढाएँ, तो यह चैतन्य गुलदस्ता कितना आकर्षक लगेगा ? शायद इसेही लोगों ने जन्नत, बहिश्त, स्वर्ग, पैराडाइज और न जाने क्या क्या कहा. कल्पा करें कैसी होगी वह दुनिया ? और क्या हम भी वहॉ जाना चाहेंगे. इन सबसे पहले हम एकान्त में बैठकर इस बात का मनन-चिंतन करें, कि आखिर व्यक्ति के रुप में हम कौन है ? और ईश्वर ने हमें दुया में क्यों भेजा है ? ईश्वर ने तो गुण सबको दिये है, परंतु क्या हम जानते है, कि हमारे जीवन का क्या मूल्य है ?

अपनी महत्ता को समझने के लिए सबसे सरल तरीका मन मे सकारात्मक सोच पैदा करने का है. अतः आज से हम अपने और दूसरों के अवगुणों का चिंतन करना छोड दें. निराशा और हीन भावना का त्याग कर दे. शुभ सोचें, शुभ देखे, शुभ बोलें और शुभ करें. हमें जो मिला है, उसमें सन्तुष्ट रहें, ईश्वर या दुसरों पर दोष मढना व्यर्थ है. क्योंकि शान्ति और खुशी हमारे हाथ में है. यह हमारी आत्मा का श्रृंगार है. हम सदा उगते सूरज को देखें प्रगतिशील और गतीशील बने. साहस और विश्वास जगाए रखे. मन में यह निश्चय करे, कि श्रम कभी निष्फल नहीं जाता. त्याग और सेवा ही भाग्य का आधार है .

जो अपने मूल्यों को समझ जाते हैं, उनका अपना जीवन मूल्यवान बन ही जाता है, साथ ही वे पारस कि तर अपने गुण विशेषता और ज्ञान का रंग दुसरों पर भी चढाकर, उन्हें गुणवान और मुल्यवान बना देते है . जो अपना मूल्य समझ गए है, वो सीर्फ स्वार्थि नहीं होते. बल्कि अपने विचारों ओर कर्मो से वे सदा दुसरों में, उनका जीवन बनाने में, दुसरों को सुख और शान्ति बाटने में सदा तत्पर रहते है. मूल्यवान वह नहीं है, जिसके पास ढेर सारा धन है. बल्कि सच्चा मूल्यवान वह है, जिसके पास ऊँचा चरित्र और सदगूण है. जिसमें सेवा और मानव कल्याण की भावना है . वे कभी यह नहीं सोचते, हमें मिला क्या है ? वह यही सोचेंगे हम समाज को दे क्या रहे है . हमारा जीवन दुसरों के लिए तिना उपयोगी है और इसकी घडीयां कितनी सफल हुई है. इस प्रकार ऊँचा जीवन बनाकर दूसरों को बनाने वाले, सुख, शान्ति, और खुशी लुटानेवाले, सदा ज्ञान गुण और कलाओं का दान करने वाले ही मूल्यवान हैं .

- ब्रह्माकुमारीज् वार्ता फिचर्स

www.bkvarta.com